कृतिका 7 वी
पेड होने का अर्थ

प्रश्न – निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

पद्यांश क्र : १ (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र 36-37)
आदमी पेड नहीं हो सकता.....
.... ढलान से लडता है।

कृति – १) (आकलन)
१) आकृति पूर्ण कीजिए।

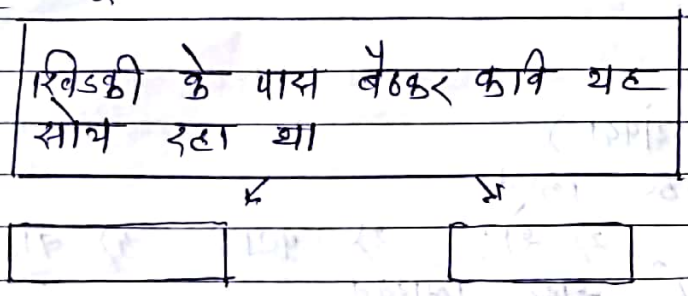

खिडकी के पास बैठकर कवि यह सोच रहा था
↙ ↘
[ ] [ ]

२) वाक्य पूर्ण कीजिए :
१) पेड किसी के पाँव ......
२) आदमी एक पेड जितना .....

कृति – २) (शब्दसंपदा)
१) निम्नलिखित शब्द के वचन बदलकर लिखिए
१) साँस २) कमरे ३) हौसला ४) आँधी
२) निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए।

कृति – ३) (अभिव्यक्ति)
* ढलान से भागने की बजाय उसका सामना करना ही बेहतर है, इस विषयपर अपना मत स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :– कहा जाता है कि मनुष्य परिस्थितियों के हाथ में एक कठपुतली के समान होता है। यह भी कहा जाता है कि जब रेतीला तुफान आता है तो शुतुरमुर्ग अपनी गरदन रेत में गड़ा लेता है और समझता है कि खतरा टल गया। परंतु खतरा टलता नहीं है। ऐसा ही स्वभाव अनेक व्यक्तियों का भी होता है। जब भी प्रतिकुल परिस्थितियाँ सामने आ जाती, ऐसे लोग इनका सामना करने की बजाय अपना उद्देश्य ही बदल लेते है। ऐसा करना उचित नहीं है। स्थिति से भागने के बजाय डटकर उसका सामना करना चाहिए। आज नहीं तो कल सफलता अवश्य मिलेगी। हमे पेड से सीख लेनी चाहिए।

Scanned by CamScanner

कैसा भी भयंकर आँधी नूकसान हो, पेड हार नहीं मानता डटा रहता है। ②

पद्यांश – 2 (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र 37)

जहाँ भी खडा है . . . .

. . . . . पेड बहुत बडा हौसला है।

कृति – 1 (आकलन)

1) आकृति पूर्ण कीजिए।

1) पेड करता है – [ ]

2) पेड देता है – [ ]

2) उत्तर लिखिए –

पेड का बुलंद हौसला सूचित करनेवाली दो पंक्तियाँ . . . .

1)

2)

कृति – 2 (शब्दसंपदा)

1) लिंग बदलकर लिखिए

1) चिडिया 2) शेर 3) पहाड 4) बाघ

2) समानार्थी शब्द लिखिए

1) पेड 2) हवा 3) पहाड 4) राहगीर

कृति – 3 (अभिव्यक्ति)

* 'भारतीय संस्कृति में पेड का महत्व' इस विषयपर अपना व्यक्त कीजिए।

पद्यांश – 3 (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र 38)

दाता है पेड . . . .

. . . . पेड़ संत है दधीचि है।

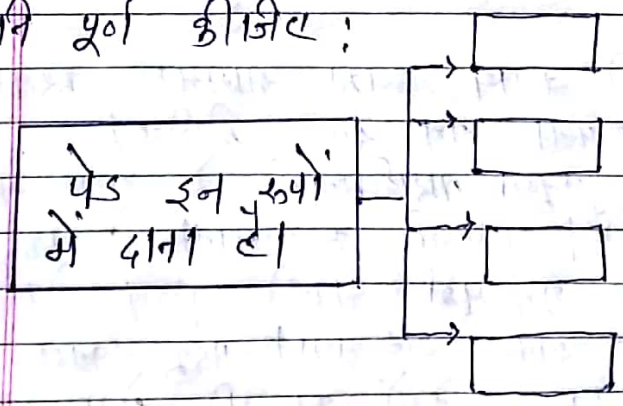

कृति – 1 (आकलन)

1) कृति पूर्ण कीजिए :

2) कविता की पंक्तियों को उचित क्रमानुसार लिखकर प्रवाह तख्ता पूर्ण कीजिए।

1) वृक्ष के पास ऐसी एक भी चीज नहीं है।

२) हमेशा देना आया है मनुष्य का साथ
३) हमारे लिए ही तो है पेड़ की हर एक चीज
४) सभी के लिए देना है पुष्पों की सौगात

कृति - 2 (शब्दसंपदा)

1) निम्नलिखित शब्दों के भिन्न अर्थों को वाक्यों द्वारा स्पष्ट कीजिए :

1) जड़ 2) तना 3) फूल

2) पद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्दों की जोड़ियों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

① उदा० 1) जड़ ① अर्थ- वृक्ष का मूल

वाक्य : वृक्ष अपनी जड़ के द्वारा धरती से पोषक तत्व ग्रहण करता है।

2) मूर्ख।

वाक्य : मनीश को दर्शन की बाते क्या समझ आएँगी, वह तो बिलकुल जड़ है।

② तना :

अर्थ —

वाक्य —

3) फूल :

अर्थ

वाक्य

कृति - 3 (अभिव्यक्ति)

* 'पेड़ मनुष्य का परम हितैषी' इस विषयपर अपना मत व्यक्त कीजिए।

रसास्वादन

* निम्नलिखित मुद्दो के आधारपर 'पेड़ होने का अर्थ' कविता का रसास्वादन कीजिए।

उत्तर : रचना का शीर्षक : पेड़ होने का अर्थ।

रचनाकार : डॉ० मुकेश गौतम।

केंद्रिय कल्पना : सब कुछ दूसरों को देकर जीवन की सार्थकता सिद्ध करना। पेड़ मनुष्य का बहुत बड़ा शिक्षक है। पेड़ मनुष्य का हौसला बढाता है। वह उसे समाज के प्रति जिम्मेदारी का निर्वाह करना सिखाता है। पेड़ ने भारतीय संस्कृति को जीवित रखा है।

* रस- अलंकार —

प्रतीक विधान - कवि ने पेड़ को परोपकार के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करते हुए दर्शाया है। कवि ने इस तरह के महान त्यागी के लिए महर्षि दधीचि जैसे महान दाता तथा संत का प्रतीक के रूप मे उपयोग किया है।

Scanned by CamScanner

6) कल्पना – पेड आदि काल से मनुष्य का सबसे बड़ा शिक्षक उसका हौसला बढानेवाला तथा समाज के प्रति उसको अपनी जिम्मेदारियाँ निभाने का बोध करनेवाला रहा है। उसने भारतीय संस्कृति को जीवित रखने और मनुष्य को संस्कारशील बनाने का काम किया है।

पसंद की पंक्तियों का प्रभाव

शूल में खिला देना है फूल
और करना है इशारा उसे आगे बढ़ने का।

पसंद आने का कारण – प्रस्तुत कविता में कवि ने पेड के माध्यम से मनुष्य को मानवता, परोपकार जैसे मानवोचित गुणों की प्रेरणा दी है।

* पेड हौसला है, पेड दाता है, इस कथन के आधारपर संपूर्ण कविता का रसास्वादन कीजिए।

साहित्यसंबंधी सामान्य ज्ञान

1) डॉ. मुकेश गौतम जी की रचनाएँ।

उत्तर – 1) अपनों के बीच
2) सतह और शिखर
3) सच्चाईयों के रू-ब-रू
4) वृक्षों के हक में
5) लगातार कविता
6) प्रेम समर्थक है पेड
7) इसकी क्या जरूरत थी (कविता संग्रह)

अलंकार – अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए।

1) चरण-कमल बंदौ हरिराई।
2) पीपर पात सरिस मन डोला।
3) हनुमान की पूछ में लगन न पाई आग।
लंका सगरी जल गई, गए निसाचर भाग।

रस : रस पहचानकर उसका नाम लिखिए।

1) अखिल भुवन चर, अचर सब, हरि मुख में लख मातु।
चकित भई, गदगद वचन, विकसित दृग पुलकातु।
2) सुनहु राम जेहि शिवधनु तोरा।
सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।
3) मेरे तो गिरिधर गोपाल, दूसरो न कोई।
जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई।

Scanned by CamScanner

Page No.
Date

* मुहावरे के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
1) आसमान पर थूकना - अशोभनीय कार्य करना।
2) उल्टी गंगा बहना - उल्टा काम करना।
3) एक लाठी से हाँकना - सबके साथ समान व्यवहार करना।
4) चार चाँद लगाना - शोभा बढ़ाना।
5) कोल्हू का बैल - बहुत परिश्रम करनेवाला।
6) कौड़ी-कौड़ी को मोहताज - अत्यंत निर्धन होना।

* वाक्य शुद्धीकरण :
+) ~~विभक्त~~ निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए।
1) मनुष्य पेड़ जितना बड़ा कभी नहीं हो सकता।
2) पेड़ पर चहचहाते हुए चिड़िया के बच्चों की घोंसला है।
3) ओझोन गैस मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है।

Scanned by CamScanner